दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO :- CHHHIN16931 ‖ email :- nyaysakshi@gmail.com ‖ रायगढ़, रविवार 21 अक्टूबर 2018 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक-26

महत्वपूर्ण एवं खास

काबुल में मतदान केंद्र पर आतंकी हमलावर ने खुद को उड़ाया, कम से कम 13 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में शनिवार को एक मतदान केंद्र पर एक आतंकी हमलावर ने खुद को उड़ा लिया जिससे कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई. सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी है. पुलिस प्रवक्ता बशीर मुजाहिद ने एएफपी को बताया कि मृतकों में आम लोग, चुनाव कार्यकर्ता और पुलिस कर्मी हैं. आपको बता दें कि अफगानिस्तान के काबुल में शनिवार को मतदान केंद्रों पर कई धमाके हुए. धमाके के दौरान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे थे. इसके बाद अफगानिस्तान की राजधानी के उत्तर में एक स्कूल में मतदाता भागते दिखाई दिए. प्रत्यक्षदर्शियों ने अन्य मतदान केंद्रों पर भी धमाकों की सूचना दी है. लंबे समय बाद हो रहे संसदीय चुनावों में शनिवार को मतदान शुरू हुआ. देशभर में हजारों सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है. अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने मतदान की शुरुआत में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया. इसके बाद टेलीविजन पर दिए भाषण में उन्होंने एक अन्य चुनाव के लिए अफगानवासियों को बधाई दी और देश के सुदूरवर्ती हिस्सों तक बैलट ले जाने के लिए सुरक्षाबलों खासतौर से वायु सेना की प्रशंसा की. स्वतंत्र निर्वाचन आयोग ने 88 लाख लोगों को पंजीकृत किया है.

आतंकवाद पर लगाम लगाने में पाकिस्तान की कोशिशों से एफएटीएफ संतुष्ट नहीं

एजेंसी। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के वित्त पोषण के खिलाफ पाकिस्तान की कोशिशों पर असंतोष जताते हुए कहा कि अगर वह धन शोधन रोधी निगरानी संगठन द्वारा काली सूची में डाले जाने से बचना चाहता है तो अपने कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाएं. मीडिया में शनिवार को आई एक खबर के अनुसार, अभी एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में शामिल पाकिस्तान उन देशों की सूची में शामिल होने से बचने के लिए हाथ-पांव मार रहा है जिसमें धन शोधन रोधी और आतंकवादी वित्त पोषण नियमनों का पालन ना करने वाले देशों को डाला जाता है.

रेल हादसा: 30 सेकंड पहले गुजरी थी एक और ट्रेन

अमृतसर (आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर में जोड़ा रेलवे फाटक शुक्रवार शाम को रावण दहन के दौरान मौत का कब्रगाह बन गया जिस ट्रेन की चपेट में ट्रैक पर खड़े सैकड़ों लोग आ गए, उस ट्रेन के आने से 30 सेकंड पहले एक और रेलगाड़ी वहां से गुजरी थी। हालांकि, वह ट्रेन दूसरी दिशा से आ रही थी और इस वजह से कोई घटना नहीं हुई। हालांकि, दूसरी ट्रेन (जिसकी स्पीड तेज थी) की चपेट में आने से लोग बच नहीं सके और इसके बाद वहां मातम पसर गया। घटना के बाद चारों तरफ शवों के टुकड़े बिखरे पड़े थे।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प

पथराव में डीएम समेत कई लोग घायल, तनाव

गोंडा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में शनिवार देर रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच शुरू हुए विवाद के बाद तनाव की स्थिति बन गई। प्रतिमा विसर्जन के दौरान ही दो समुदाय के लोगों के बीच हुई भिड़त के बाद जिले में जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें जिलाधिकारी और पुलिस विभाग के सीओ समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं इलाके में तनाव के मद्देनजर भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। साथ ही हालात काबू करने के लिए पड़ोसी जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस की मांग की गई है।

आजाद हिंद फौज का 75वां साल: तिरंगा फहरा बोले मोदी-पटेल, नेताजी को भुलाने की कोशिश हुई

नई दिल्ली (आरएनएस)। आजाद हिंद फौज की स्थापना के 75 साल पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लाल किले से तिरंगा फहराया। मोदी ने कहा कि 75 साल पहले देश से बाहर बनी आजाद हिंद सरकार अखंड भारत की सरकार थी, अविभाजित भारत की सरकार थी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक परिवार को बड़ा बनाने के लिए देश के अनेक सपूतों चाहे सरदार पटेल हो, बाबा साहब अंबेडकर हों, उन्हीं की तरह ही नेताजी के योगदान को भुलाने की कोशिश हुई। पीएम ने देश के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद अगर पटेल और बोस का नेतृत्व मिलता तो स्थितियां अलग होतीं।

पीएम ने नेताजी की उस चिट्ठी का किया जिक्र

पीएम मोदी ने लाल किले पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देशवासियों को आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर बधाई देता हूं। मोदी ने कहा, 'आजाद हिंद सरकार केवल नाम नहीं था। नेताजी के नेतृत्व में इस सरकार ने हर क्षेत्र में नई योजना बनाई थी। इस सरकार का अपना बैंक था, अपनी मुद्रा थी, अपना डाक टिकट था, गुप्तचर सेवा थी। कम संसाधन में ऐसे शासक के खिलाफ लोगों को एकजुट किया जिसका सूरज नहीं ढलता था। वीरता के शीर्ष पर पहुंचने की नींव नेताजी के बचपन में ही पड़ गई थी।'

मोदी ने सुभाष चंद्र बोस की उस चिट्ठी का जिक्र किया जो उन्होंने किशोर अवस्था में अपनी मां को लिखी थी। मोदी ने कहा, 'सुभाष बाबू ने मां को चिट्ठी लिखी। उन्होंने 1912 के आसपास चिट्ठी लिखी थी। उस समय ही उनमें गुलाम भारत को लेकर वेदना थी। उस समय वह सिर्फ 15-16 साल के थे। उन्होंने मां से पत्र में सवाल पूछा था कि मां क्या हमारा देश दिनों दिन और अधिक पतन में गिरता जाएगा। क्या इस दुखिया भारत माता का एक भी पुत्र ऐसा नहीं है जो पूरी तरह अपने स्वार्थ की तिलांजली देकर अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दे। बोलो मां हम कबतक सोते रहेंगे?

'एक परिवार के लिए नेताजी, पटेल को भुलाने की कोशिश'

पीएम मोदी ने कहा, 'इसी लाल किले पर आजाद हिंद फौज के सेनानी शाहनवाज खान ने कहा था कि सुभाष चंद्र बोस ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारत होने का एहसास उनके मन में जगाया।

ऐसी क्या परिस्थितियां जीं जो शाहनवाज खान को यह बात कहनी पड़ी। कैंब्रिज के अपने दिनों को याद करते हुए सुभाष चंद्र ने लिखा है कि हमें सिखाया जाता था कि यूरोप ग्रेटब्रिटेन का रूप है, इसलिए यूरोप को ब्रिटेन के चश्मे से देखने की आदत है। आजादी के बाद भी लोगों ने इंग्लैंड के चश्मे से देखा। हमारी व्यवस्था, हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारी पाठ्य पुस्तकों को इसका नुकसान उठाना पड़ा। पीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के पहले दशकों में अगर पटेल और बोस का नेतृत्व मिलता तो स्थितियां अलग होतीं।

कुलगाम में सेना का बड़ा ऑपरेशन, मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में निकाय चुनाव के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही सुरक्षाबलों ने कुलगाम में 3 आतंकियों को मार गिराया है। कुलगाम के लारनू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई एक मुठभेड़ में 5 घंटे चले ऑपरेशन के बाद इन आतंकियों को मार गिराया गया है। इस कार्रवाई के बाद से ही इलाके में सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को शनिवार-रविवार देर रात कुलगाम जिले के लारनू इलाके में 2-3 आतंकियों की आवाजाही की खबर मिली थी। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए रविवार सुबह इस इलाके में सेना की राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस की एसओजी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस के जवानों ने बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया। इस बीच यहां एक मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी कर भागने का प्रयास किया, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग कर आतंकियों के खिलाफ काउंटर ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन के दौरान मकान में छिपे ती आतंकियों को मार गिराया गया। इस कार्रवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए राज्य के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन में तीन आतंकियों के मारे जाने के बाद मुठभेड़ को खत्म कर दिया गया है। इसके अलावा मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है।

निकाय चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कार्रवाई

जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के बाद हिंसक प्रदर्शन की आशंकाओं को देखते हुए इलाके में पुलिस और सीआरपीएफ की अतिरिक्त टीमों को तैनात किया गया है। लारनू इलाके में जारी मुठभेड़ के मद्देनजर कुलगाम जिले में इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक रूप से रोक लगाई गई है। बता दें कि आतंकियों के खिलाफ दक्षिण कश्मीर में यह ऑपरेशन उस वक्त शुरू हुआ है, जबकि राज्य में एक दिन पहले ही निकाय चुनाव के परिणाम घोषित हुए हैं।

रक्षामंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-भारत ने आतंकी गतिविधियों को करने और रोकने के लिए कदम उठाया है और आगे भी नहीं हिचकेगा

सिंगापुर। रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद के परोक्ष संदर्भ में शनिवार को कहा कि भारत ने आतंकी समूहों और उनके संरक्षकों की गतिविधियों को बाधित करने और रोकने के तरीकों का प्रदर्शन किया है और अगर जरूरत पड़ी तो फिर ऐसा करने से नहीं हिचकेगा. सिंगापुर में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक

को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि 'निकटस्थ पड़ोस' में आतंकी ढांचों की मौजूदगी और आतंकवादियों को मिलने वाले समर्थन ने भारत के सब्र की परीक्षा ली है और एक जिम्मेदार शक्ति के तौर पर उसने इस खतरे से निपटने में 'काफी संयम' दिखाया है.

नयी दिल्ली में रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा, 'हालांकि भारत ने आतंकी संगठनों और उनके संरक्षकों की गतिविधियों को बाधित करने और उस पर लगाम लगाने के उपायों का प्रदर्शन किया है और भविष्य में अगर जरूरत पड़ी तो ऐसा फिर से करने में नहीं हिचकेगा.'

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने आतंकवाद के खतरे की वजह से अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थायित्व को मिलने वाली व्यापक चुनौतियों को लेकर भारत की चिंताओं पर जोर दिया.

कनाडा : अब गांजे-भांग का नशा करने को कानूनी तौर पर मिली मंजूरी

ओटावा। कनाडा में गांजे-भांग (कैनाबिस) का नशा करने के शौकीन अब सरेआम इसका सेवन कर सकेंगे, क्योंकि वहां अब

कानूनी तौर पर इसे रखने और बेचने की मंजूरी मिल गई है। उरुग्वे के बाद कनाडा दूसरा ऐसा देश बन गया है, जहां कैनाबिस रखने और इसके सेवन की इजाजत दी गई है। स्वास्थ्य, कानून और जन-सुरक्षा पर पड़ने वाले इसके प्रभावों को लेकर उत्पन्न सवालों के बीच देशभर में बुधवार को मध्यरात्रि बीतने के साथ ही दुकानें खुल गईं। देश में कैनाबिस की बिक्री की इजाजत मिलने के बाद कनाडा में सबसे पूर्वी समय क्षेत्र में स्थित न्यूफाउंलैंड प्रांत में मध्यरात्रि के बाद पहली बार बिक्री के लिए दुकानें खुलीं। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडों 30 ग्राम तक कैनाबिस रखने के लिए अभियुक्त करार दिए गए लोगों की सजा माफ करेंगे। अनुमान है कि इसका फायदा हजारों लोगों को मिलेगा।

रूस के साथ परमाणु संधि से अलग होगा अमेरिका: ट्रंप

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका देश रूस के साथ इंटरमीडिएट-रेंज

न्यूक्लियर फोर्सेज (आईएनएफ) संधि से अलग हो जाएगा। आईएनएफ सामरिक हथियारों के विकास को सीमित करने वाली दशकों पुरानी संधि हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से यह बात नेवादा में शनिवार को एक रैली के दौरान कही। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस 1987 संधि का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा, 'संधि का कई सालों से उल्लंघन हो रहा है। हमें उन हथियारों को विकसित करना होगा।' ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे मौके पर आई है जब उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन शनिवार से रूस दौरे पर हैं जहां वह रूसी नेताओं को इस ऐतिहासिक सौदे से बाहर निकलने की अमेरिकी योजना की जानकारी दे सकते हैं।

यूरोपीय संघ ने की पत्रकार के मौत की विस्तृत जांच की मांग

ब्रसल्ज (आरएनएस)। यूरोपीय संघ की शीर्ष राजनयिक फेड्रिका मोघेरिनी ने सऊदी अरब के आलोचक पत्रकार जमाल खशोगी की मौत की जांच की मांग की। बेहद परेशान करनेवाली हत्या की विस्तृत जांच और इसके पीछे के जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की भी उन्होंने मांग की। यूरोपीय संघ का यह बयान तब आया है जब इससे पहले फ्रांस और जर्मनी जैसे सदस्य देशों ने खशोगी की हत्या की निंदा की।

इससे पहले सऊदी अरब ने यह स्वीकार किया कि इस्तांबुल स्थित उसके वाणिज्य दूतावास के भीतर खशोगी की हत्या कर दी गई।

अफगान चुनावों में हिंसा, लगभग 19 की मौत, कई अन्य घायल

एजेंसी। अफगानिस्तान में संसदीय चुनाव में हुई हिंसा में शनिवार को लगभग 170 लोग हताहत हुए है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि एक ताजा हमले में एक आत्मघाती हमलावर ने काबुल के एक मतदान केन्द्र में खुद को उड़ा लिया जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गये. इस तरह अफगानिस्तान की राजधानी में मृतकों की संख्या 19 पहुंच गई जबकि लगभग 100 लोग घायल है. विस्फोट की तत्काल किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन तालिबान ने इससे पूर्व कहा था कि उसने 'फर्जी चुनाव' पर 300 से अधिक हमलों को अंजाम दिया.

एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि हिंसा से मतदान बाधित हुआ. उत्तरी कुंदुज शहर में तीन लोगों की मौत हुई और 39 अन्य घायल हो गये. प्रांतीय आईईसी निदेशक मोहम्मद रसूल उमर ने बताया कि कुंदुज शहर से कई किलोमीटर दूर एक मतदान केन्द्र पर तालिबान हमले में स्वतंत्र निर्वाचन आयोग (आईईसी) के कर्मचारी की मौत हो गई और सात अन्य लापता हो गये. कई मतपत्र बक्सों को भी नष्ट कर दिया गया. प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्वी प्रांत नांगरहार में आठ विस्फोट हुए जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गये.

देश की राजधानी में हत्या जैसे जघन्य अपराधों में 25-75 प्रतिशत की कमी : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में पहले के मुकाबले क्राइम की रफ्तार घटी है। आंकड़े यही कहते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी किए गए क्राइम के आंकड़ों पर गौर करें तो इस साल 30 सितंबर तक जघन्य अपराध काफी कम हुए हैं। पिछले साल की इस अवधि से तुलना करें तो हर तरह के क्राइम में 25-70 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि न सिर्फ क्राइम में कमी आई है बल्कि ऐसे अपराध जिनमें लगातार तेजी आ रही थी, उनकी रफ्तार भी कम हुई है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर 2018 तक 1,639 रेप केस दर्ज हुए जबकि साल 2017 की अवधि में यह आंकड़ा 1,673 था। इस दौरान 2018 में छेड़छाड़ के 2,535 मामले सामने आए जबकि 2017 में यह आंकड़ा 2,610 का था।

इसी तरह 30 सितंबर 2018 तक 357 मर्डर के केस सामने आए,जबकि 2017 में इस दौरान 385 मर्डर रिपोर्ट हुए थे।

लूट और झपटमारी के मामलों की बात करें तो इसमें काफी कमी दर्ज की गई है। साल 2017 में स्नैचिंग की 6,772 वारदात हुई थीं, जबकि 2018 की इस अवधि में 5,034 मामले दर्ज हुए हैं। इसी तरह 2017 की इस अवधि में जहां लूट के 2,230 मामले सामने आए थे, 2018 में 1852 केस हुए। पिछले कुछ सालों में डकैती के मामले लगातार बढ़ रहे थे, लेकिन इस साल इसपर लगाम लगती नजर आई। साल 2016 में डकैती के 14,307 मामले सामने आए थे. 2017 में यह नंबर 9,819 हो गया और 2018 में सितंबर 30 तक 3,090 मामले दर्ज हुए हैं। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इन आंकड़ों में ई-एफआईआर से दर्ज क्राइम के आंकड़े शामिल किए गए हैं या नहीं। गाड़ी चोरी के मामले वर्चुअल पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन दर्ज किए जाते हैं। वारदात की इस कैटिगरी में इजाफा देखने को मिला है। साल 2017 की 30 सितंबर तक की अवधि में जहां 20,449 मामले सामने आए थे, वहीं 2018 में 33,273 केस सामने आए। यानी हर रोज करीब 125 वाहन चोरी हो जाते हैं। जानलेवा हारदसों की बात करें तो उसमें भी बढ़त हुई है। पिछले साल जहां 1,087 हादसों में पीड़ित की जान गई थी, वहीं इस साल यह आंकड़ा 1,136 का है, यानी 10 फीसदी का इजाफा। किडनैपिंग के मामले भी बढ़े हैं। पुलिस द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में सबसे सकारात्मक यह है कि हत्या जैसे जघन्य अपराध घटे हैं। पिछले साल सितंबर तक की अवधि में जघन्य अपराध के 4,853 मामले दर्ज हुए थे, जो इस साल की समान अवधि में 4,295 रहे। साल 2014 में यह आंकड़ा 10,266 था और 2015 में 11 ,187। 2016 में यह आंकड़ा गरकर 8,238 हुआ और 2017 में और घटकर 6,527 पर सिमटा।